



स्मृति शीर्ष पर बरकरार, हरमनप्रीत ने लगाई छलांग, पहुंची सातवें स्थान पर

नफा या नुकसान : राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के बाद कांग्रेस में कलह उजागर एक राज्यसभा सीट जिताने के लिए गंवाने पड़ सकते हैं 9 माननीय

एक सांसद बनाम 9 विधायक ?

योगेश शर्मा चंडीगढ़

आखिरकार कांग्रेस के सियासी दिग्गजों ने राज्यसभा की सीट तो बचा ली लेकिन क्रॉस वोटिंग ने पार्टी की कलह को बढ़ा दिया है। एक सांसद जिताने के लिए पार्टी के अब 9 विधायकों को गंवाना पड़ सकता है। नेता विपक्ष और पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा, कांग्रेस मामलों के हरियाणा प्रभारी बीके हरिप्रसाद ने स्वीकार कर लिया है कि कांग्रेस के पांच विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की है और चार के वोट रद्द हुए हैं। दोनों नेताओं ने साफ कर दिया कि इन सभी को कारण बताओ नोटिस जारी होंगे और इन पर कार्रवाई होगी। इस बीच राज्यसभा चुनाव नतीजों के 12 घंटे के भीतर कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रामकिशन गुर्जर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनकी पत्नी शैली चौधरी नारायणगढ़ सीट से विधायक हैं। वोटिंग के दौरान वे विस के बाहर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के राजनीतिक सलाहकार के साथ नजर आई थीं। अब पूरे विवाद के बाद में शैली चौधरी को लेकर चर्चा है कि किसी भी वक्त उनका इस्तीफा हो सकता है। वैसे, बताया जा रहा है कि वह पार्टी हार्डकमान के रख का इंतजार करेंगी, क्योंकि पार्टी शैली को निकालती है तो विधानसभा सदस्यता बरकरार रहेगी। खुद कांग्रेस छोड़ने की सूरत में विधानसभा सदस्यता से अयोग्य घोषित हो जाएंगी, जिसके कारण शैली बागी बनकर कांग्रेस में ही बनी रह सकती हैं।

पांच विधायकों को नोटिस की तैयारी, होगी कार्रवाई कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष रामकिशन गुर्जर ने दिया पार्टी से इस्तीफा



नारायणगढ़ से विधायक शैली भी दे सकती हैं इस्तीफा

रामकिशन गुर्जर की पत्नी शैली चौधरी अम्बाला जिले की नारायणगढ़ सीट से विधायक हैं। सूत्रों के मुताबिक, शैली चौधरी भी इस्तीफा दे सकती हैं। कांग्रेस में रामकिशन गुर्जर और शैली चौधरी की गिनती सांसद सैलजा के करीबियों में होती है। वहीं, नारायणगढ़ मुख्यमंत्री नायब सैनी का गृह क्षेत्र है। सैनी खुद 2014 में पहली बार इसी सीट से विधायक बने थे और तब उन्होंने

रामकिशन गुर्जर को ही हरकराज जीत दर्ज की थी। इससे पहले 2005 के विधानसभा चुनाव में गुर्जर ने नारायणगढ़ सीट पर ही नायब सैनी को हराया था। रामकिशन गुर्जर व शैली चौधरी की छोटी बेटी की शादी केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर के मंत्री उक्तेश चौधरी से हुई है। सूत्रों के मुताबिक, इसी रिश्तेदारी के जरिए भाजपा ने कांग्रेस की वोट में संघ लगाने की तैयारी की।

निर्दलीय सतीश नांदल को दिया वोट

राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के 5 विधायकों ने पार्टी प्रत्याशी कर्मवीर बौद्ध की बजाय भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल को वोट दिया था। क्रॉस वोटिंग करने वाले 4 विधायक तो तीन दिनों तक हिमाचल में भी सभी विधायकों के साथ में थे। उसके बाद भी वे भाजपा समर्थित प्रत्याशी सतीश नांदल के संपर्क में रहे। शैली चौधरी विधायकों के साथ हिमाचल गई थीं। बताया जा रहा है कि कांग्रेस का रुख देखकर शैली चौधरी अम्बाला कदम उठाने का काम करेंगी, हालांकि इसकी पटकथा पहले ही लिख ली गई है।

उधर, आडिशा में तीन विधायकों को निकाला

ओडिशा में कांग्रेस ने राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले तीन विधायकों को पार्टी से निकाल दिया है। पार्टी ने तीनों विधायकों को विधानसभा से अयोग्य घोषित करने के लिए एपीकर को लेटर भी लिखा है। ओडिशा में कांग्रेस ने रमेश जेना, दशरथी गोमांगो और सोफिया फिरोज को पार्टी से निकाला है। तीनों विधायकों ने राज्यसभा चुनाव में भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप राय के पक्ष में वोट दिया था। क्रॉस वोटिंग की वजह से कांग्रेस और बीजद के संयुक्त उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ा।

इन पर शक

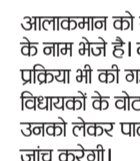
कांग्रेस के पोलिंग एजेंट के तौर पर भूपेंद्र हुड्डा और पार्टी प्रभारी बीके हरिप्रसाद अंदर बैठे हुए थे, इस कारण से क्रॉस वोटिंग का गेम पार्टी के नेताओं को पता लग गया था। पार्टी के सभी विधायकों को वोट डालने से पहले इन्हें अपना बैलेट दिखाना जरूरी था। इसी दौरान 5 विधायक शक के दायरे में आ गए। दो विधायक नुहु मेवात क्षेत्र से संबंध रखते हैं, साथ ही इनमें एक बीमार है। दोनों ही अल्पसंख्यक समुदाय से हैं। जबकि एक फतेहबाद जिले से संबंध रखते हैं। उक्त विधायक मंगलवार को विस के अंदर भी मौजूद रहे, जिसने कुछ मुद्दे उठाते हुए सरकार के कामकाज की तारीफ भी की। शैली चौधरी आई और अपनी हाजिरी लगाकर चली गईं। यहीं नहीं, जिन 4 विधायकों के वोट कैसिल हुए हैं, उनको लेकर पार्टी अपने लेवल पर जांच करेगी।

न ईवीएम में मोरी होती है न वोट चोरी होती है : सीएम

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस विधायकों द्वारा राज्यसभा चुनाव प्रक्रिया प्रभावित करने के संबंध में कहा कि लोकतंत्र में हर व्यक्ति को चुनाव लड़ने का अधिकार है। हमने निर्दलीय उम्मीदवार को खोला है। विपक्ष भी अपना उम्मीदवार खड़ा कर लेते, क्यों नहीं खड़ा किया। सच्चाई यह है कि न वोट चोरी होती है, न ईवीएम में मोरी होती है, लोकतंत्र की यही तो खूबी है जनाब, जग देती है अंतर आत्मा, अगर वो सो रही होती है।

क्रॉस वोटिंग करने वाले पर होगी कार्रवाई : राव नरेंद्र

कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि क्रॉस वोटिंग करने वाले कांग्रेस पार्टी के विधायकों पर कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में पार्टी आलाकमान को उन पांच विधायकों के नाम भेजे हैं। नोटिस देने की प्रक्रिया भी की गई है। यहीं नहीं, जिन विधायकों के वोट कैसिल हुए हैं, उनको लेकर पार्टी अपने लेवल पर जांच करेगी।



खामेनेई की मौत के बाद संभाली थी देश की कमान ईरान के सबसे ताकतवर अफसर लारीजानी को मारा : इजराइल

जिसका मकसद सिर्फ इतना है कि ज्यादा से ज्यादा गैस सिलेंडरों के बाजार में फर्जीबाज न हो। यदि आप एक सामान्य एलपीजी गैसक है और आपने पहले अपना ई-केवाईसी करवा लिया है, तो आपको यह प्रक्रिया दोबारा करने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। यह नियम सिर्फ उन लोगों पर लागू होता है जिनका रिकॉर्ड अब तक अपडेट नहीं हुआ है। उज्ज्वला योजना के बाहकों के लिए नियम थोड़े अलग है।

जिसका मकसद सिर्फ उन्हीं गैसकों को है, जिनका वैरिफिकेशन अब तक नहीं हुआ है। सरकार ने कहा कि यह कोई नया नियम नहीं है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर जो जानकारी दी है, वह पुराने अभियान का ही हिस्सा है। इसका मकसद सिर्फ इतना है कि ज्यादा से ज्यादा गैस गैसक अपना बायोमेट्रिक वैरिफिकेशन करवा लें, ताकि सिरस्टम में फर्जीबाज न हो।

जिसका मकसद सिर्फ उन्हीं गैसकों को है, जिनका वैरिफिकेशन अब तक नहीं हुआ है। सरकार ने कहा कि यह कोई नया नियम नहीं है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर जो जानकारी दी है, वह पुराने अभियान का ही हिस्सा है। इसका मकसद सिर्फ इतना है कि ज्यादा से ज्यादा गैस गैसक अपना बायोमेट्रिक वैरिफिकेशन करवा लें, ताकि सिरस्टम में फर्जीबाज न हो।

जिनका रिकॉर्ड अगुआ वे करवाएं ई-केवाईसी : केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने उन खबरों पर जवाब दिया है जिनमें कहा जा रहा था कि अगुआ गैसकों ने ई-केवाईसी नहीं करवाया, तो उनका गैस कनेक्शन काट दिया जाएगा। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि ई-केवाईसी की जरूरत सिर्फ उन्हीं गैसकों को है, जिनका वैरिफिकेशन अब तक नहीं हुआ है। सरकार ने कहा कि यह कोई नया नियम नहीं है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर जो जानकारी दी है, वह पुराने अभियान का ही हिस्सा है। इसका मकसद सिर्फ इतना है कि ज्यादा से ज्यादा गैस गैसक अपना बायोमेट्रिक वैरिफिकेशन करवा लें, ताकि सिरस्टम में फर्जीबाज न हो।

खबर संक्षेप

वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने छोड़ी जदयू

नई दिल्ली। बिहार में सत्तारूढ़ जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता के.सी. त्यागी ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने पार्टी छोड़ दी है और अपने भविष्य के कदम को लेकर जल्द फैसला करेंगे। के.सी. त्यागीसमता पार्टी और जनता दल के विलय से अक्टूबर 2003 में अस्तित्व में आई पार्टी जदयू से जुड़े हुए थे।

रिसेप्शन : विटेंज कार में होटल पहुंचे कुलदीप यादव

नई दिल्ली। स्टार स्पिनर कुलदीप यादव की मंगलवार को लखनऊ के द सेंट्रल होटल में रिसेप्शन पार्टी हुई। कुलदीप अपनी दुर्लभ वंशिका के साथ रोल्स-रॉयस विटेंज कार में सवार होकर होटल द सेंट्रल पहुंचे। 1960 मॉडल की यह कार दिल्ली से मंगवाई गई है। कुलदीप ने ब्लैक कलर का बंद गला सूट तो वंशिका ने क्रॉम कलर की साड़ी पहनी है।

अभी उम्र 3 महीने से कम होना जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि अब किसी भी उम्र के बच्चे को गोद लेने वाली महिला को 12 हफ्ते की छुट्टी मिलेगी। सिर्फ 3 महीने से कम उम्र के बच्चे को गोद लेने पर ही छुट्टी देना गलत है। जस्टिस जेबी प्रदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच सोशल सिक्वोरिटी कोड, 2020 से जुड़े मामले की सुनवाई कर रही थी।

24 घंटे में गारंटी के साथ पार्सल की डिलीवरी, देरी पर मिलेगा पूरा पैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब आप इंडिया पोस्ट के जरिए अपने जरूरी दस्तावेज या पार्सल 24 घंटे के अंदर भेज सकेंगे। भारतीय डाक विभाग ने मंगलवार को 17 मार्च को 3 नई प्रीमियम सर्विस लॉन्च की हैं। इस सर्विस में डाक विभाग से आपको लिखित गारंटी मिलेगी। खास बात यह है कि अगर तय समय में डिलीवरी नहीं हुई तो 'मनी-बैक गारंटी' के तहत आपको पूरे पैसे वापस मिलेंगे।

24 स्पीड पोस्ट: इसमें आपके जरूरी डॉक्यूमेंट्स बुकिंग के अगले दिन पहुंच जायेंगे।

24 स्पीड पोस्ट पार्सल: यह भारी सामान या बॉक्स के लिए है, जिसे 24 घंटे के अंदर डिलीवरी करने की गारंटी है।

48 स्पीड पोस्ट: इसमें आपके पार्सल को पहुंचने में 2 दिन (48 घंटे) का समय लगेगा, यह थोड़ा सस्ता विकल्प हो सकता है।

पाकिस्तान की देर रात एयरस्ट्राइक तालिबान बोला-400 की मौत का लेंगे बदला

काबुल (एजेंसी)। पाकिस्तान ने सोमवार रात एक बार फिर अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक की है। पाकिस्तानी एयरफोर्स के लड़ाकू विमानों ने राजधानी काबुल के कई इलाकों को निशाना बनाया, जिनमें एक हॉस्पिटल भी है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक इसमें 400 लोगों की मौत हो गई, वहीं 250 से ज्यादा घायल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक दारुलअमन, अरजान कीमत, खैरखाना और काबुल इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आसपास कई जगहों पर धमाकों और गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी सेना ने काबुल में एक नशा मुक्ति अस्पताल पर बम गिराए। तालिबान ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि हम इस हमले का करारा जवाब देंगे।

एनआईए की बड़ी कार्रवाई 6 यूक्रेनी और 1 अमेरिकी नागरिक को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सुरक्षा एजेंसी (एनआईए) ने गंगार से चल रहे एक बड़े अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क का खुलासा किया है। इस मामले में 7 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक अमेरिकन और 6 यूक्रेन के नागरिक भी शामिल हैं। अमेरिकी नागरिक को इमिग्रेशन ब्यूरो ने कोलकाता हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया। वहीं, लखनऊ और दिल्ली के हवाई अड्डों से तीन-तीन यूक्रेनी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। सूत्रों के मुताबिक, इन सभी पर भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों की साजिश रचने का आरोप है। एनआईए ने इनके खिलाफ यूएपीए की धारा 18 के तहत केस दर्ज किया है। संदिग्धों को दिल्ली लाकर शनिवार को इप्टी मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, जहां से उन्हें तीन दिन की हिरासत में भेज दिया गया।

याचिकाकर्ता की दलील

सुप्रीम कोर्ट का तर्क

- पितृत्व अवकाश को सामाजिक सुरक्षा लाभ के रूप में मान्यता देने के लिए केंद्र सरकार कानून बनाए।
- इस छुट्टी की अवधि माता-पिता और बच्चे की जरूरतों के अनुसार तय होनी चाहिए।
- बच्चे के शुरुआती विकास में मां और पिता दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है।
- गोद लेने वाली मां को सिर्फ 3 महीने से कम उम्र के बच्चे पर ही छुट्टी देना पूरी तरह असंवैधानिक है।
- अब किसी भी उम्र के बच्चे को गोद लेने वाली महिला को मातृत्व अवकाश मिलेगा।

उम्र के आधार पर छुट्टी देना संविधान का उल्लंघन

बेंच ने धारा 60 (4) को असंवैधानिक करार देते हुए बच्चे की उम्र 3 महीने से कम होने के नियम को रद्द कर दिया। हमसानदिनी नंदूरी ने इस मामले में जनहित याचिका दाखिल की थी। उन्होंने कहा था कि उम्र के आधार पर छुट्टी देना गलत है और यह संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता के अधिकार) का उल्लंघन है। इसके अलावा कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह पितृत्व अवकाश (पिता की छुट्टी) को भी कानून में शामिल करे। कोर्ट ने कहा कि इसकी अवधि माता-पिता और बच्चे की जरूरतों के अनुसार तय होनी चाहिए।

40 हजार आदिवासी छात्रों को बड़े सपने देखने की प्रेरणा देने वाली....

नीता एम. अंबानी, केआईएसएस ह्यूमैनिटेरियन अवार्ड 2025 से सम्मानित



भुवनेश्वर, 17 मार्च 2026। रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और अध्यक्ष नीता एम. अंबानी को कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (केआईएसएस) परिसर में प्रतिष्ठित (केआईएसएस) ह्यूमैनिटेरियन अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। श्रीलंका के नोबेल पुरस्कार विजेता मोहन मुनासिंघे ने केआईआईटी, केआईएसएस एवं केआईएमएस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत की उपस्थिति में उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया। यह पुरस्कार श्रीमती अंबानी की उत्कृष्ट मानवीय पहलों और रिलायंस फाउंडेशन के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, ग्रामीण परिवर्तन, महिला सशक्तिकरण और खेल प्रोत्साहन के क्षेत्र में सामाजिक विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता देता है। अपने प्रेरणादायी संबोधन में आदिवासी बच्चों को संबोधित करते हुए श्रीमती नीता एम. अंबानी ने कहा, "जो कुछ हमारे बेटे कर सकते हैं, वही हमारी बेटियां भी कर सकती हैं, बेटों और बेटियों में कोई अंतर नहीं है।" उन्होंने कहा, "हमेशा याद रखें कि आज आप जहां हैं, वह आपके सपनों, आपके मेहनत और आगे बढ़ते रहने के साहस से तय होगा।" उन्होंने आदिवासी बच्चों पर विश्वास जताते हुए कहा, "मुझे पूरा विश्वास है कि भारत का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है।"

डॉ. सामंत द्वारा 2008 में शुरू किया गया केआईएसएस ह्यूमैनिटेरियन अवार्ड दुनिया भर में मानवीय सेवा की भावना को दर्शाने वाले व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित करता है। इस पुरस्कार में प्रशस्ति-पत्र और गोल्ड प्लेटिड ट्रॉफी शामिल होती है। पिछले वर्षों में यह पुरस्कार विश्व के प्रतिष्ठित नेताओं, नोबेल पुरस्कार विजेताओं और विभिन्न महाद्वीपों की विशिष्ट हस्तियों को प्रदान किया गया है। पूर्व में यह सम्मान रतन टाटा, पूंज दलाई लामा और अनिरुद्ध जगन्नाथ सहित कई अन्य हस्तियों को दिया जा चुका है। केआईएसएस दुनिया का सबसे बड़ा आदिवासी विश्वविद्यालय है, जहां लगभग 80,000 आदिवासी बच्चों को किंडरगार्टन से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक नि:शुल्क शिक्षा, आवास और समग्र विकास की सुविधा प्रदान की जाती है। ज्ञातव्य है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की परोपकारी शाखा, रिलायंस फाउंडेशन, नवोन्मेषी और टिकाऊ समाधानों के माध्यम से भारत की विकास संबंधी चुनौतियों का समाधान करने में उत्प्रेरक भूमिका निभाने का प्रयास करती है। संस्थापक और अध्यक्ष श्रीमती नीता एम अंबानी के नेतृत्व में, रिलायंस फाउंडेशन सभी के समग्र कल्याण और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए निरंतर काम कर रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण परिवर्तन, शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास हेतु खेल, आपदा प्रबंधन, महिला सशक्तिकरण, शहरी नवीकरण और कला, संस्कृति और विरासत जैसे क्षेत्रों में योगदान देना है। इसने भारत भर में 91,500 से अधिक गांवों और शहरी क्षेत्रों में 8.8 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन में खुशहाली लाने का अभिनव प्रयास किया है।

खबर संक्षेप



अमेरिका भेजने के नाम पर 35 लाख टगी में आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। अमेरिका भेजने के नाम पर एक युवक से लाखों रुपये उगाने के मामले में कार्रवाई करते हुए आर्थिक अपराध शाखा, फतेहाबाद पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सतीश पुत्र कृष्ण उर्फ पप्पू निवासी गांव समैण, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है। इकोनॉमिक सेल प्रभारी निरीक्षक सन्दीप ने बताया कि गांव समैण निवासी सुखविंदर सिंह की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायत में कहा गया था कि आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसके बेटे अंकुश को अमेरिका भेजने का झांसा दिया था। आरोपियों ने इसके बदले 35 लाख रुपये की मांग की थी। आरोपियों ने अंकुश को थाईलैंड, चीन, पेरिस, ब्राजील, कोलंबिया और पनामा जैसे विभिन्न देशों के रास्ते 'डंकी' लगाकर भेजा। मैक्सिको पहुंचने पर आरोपियों ने पीड़ित का पासपोर्ट और मोबाइल छीन लिया। अंत में, अमेरिका बॉर्डर पार करते समय पीड़ित को वहां की मिलिट्री ने पकड़ लिया, जिसके कारण उसे करीब 9 महीने कैद में बिताने पड़े। बाद में उसे वापस डिपोर्ट कर दिया।

रेवाड़ी के खेत में कंकाल मिलाने से सनसनी

रेवाड़ी। मंगलवार देर सायं मुकुंदपुर बसाई गांव के खेतों में नरकंकाल मिलने से सनसनी मच गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने कंकाल को कब्जे में लेकर मोचियों में रखवा दिया। सरसों की कटाई के चलते एक खेत में कंकाल पड़ा देखकर लोग सहम गए। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। कसोला पुलिस ने मौके पर जाकर कंकाल को कब्जे में ले लिया। सीन ऑफ क्राइम टीम को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस के अनुसार कंकाल काफी पुराना है। उसे जांच के लिए सीएफएल भिजवाया जाएगा।

होडल नप में पलाइंग का छापा, प्रॉपर्टी आईडी में मिली गड़बड़ी

पलवल। सीएम पलाइंग टीम ने होडल नगर परिषद कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान दो कर्मचारी गैरहाजिर पाए गए, जबकि सात कर्मचारी देरी से कार्यालय पहुंचे। टीम को रिकॉर्ड में भी कई खामियां मिलीं। सीएम पलाइंग को सूचना मिली थी कि नगर परिषद कार्यालय में अधिकारी और कर्मचारी समय पर नहीं पहुंचते और प्रॉपर्टी आईडी बनाए नहीं जा रही है। सीएम पलाइंग ने तहसीलदार होडल को ड्यूटी मॉनिस्ट्रेट बनाकर और नगर पालिका हथौने के सचिव देवेंद्र कुमार के साथ एक संयुक्त टीम गठित की। निरीक्षण में दो एंटी प्रॉपर्टी आईडी पाई गईं, जिनमें पहले भूमि का प्रकार व्यावसायिक था, लेकिन बाद में उसे आवासीय में परिवर्तित कर दिया गया। टीम ने इसे भंगीर अनियमितता मानते हुए रिपोर्ट तैयार की है। इस संबंध में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बस के आगे लेटा अघेड़, चालक के इमरजेंसी ब्रेक लगाने से बचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत
पानीपत बस स्टैंड पर उस समय हड़कंप की स्थिति बन गई जब एक अघेड़ व्यक्ति अचानक भागकर एक चलती बस के नीचे लेट गया। उसका इरादा बस के पहिये के नीचे सिर कुचलवाकर आत्महत्या करने का था। गनीमत रही कि बस चालक ने अघेड़ की इस हरकत को भांप लिया और इमरजेंसी ब्रेक लगाकर कुछ ईंच के अंतर से उसकी जान बचा ली। अघेड़ को उसकी जान बचा ली। आरोपी की पहचान राजू निवासी गांव कलिंगा, भिवानी के तौर पर हुई है। घटना 15 मार्च की बताई जा रही है। जैसे ही रेवाड़ी डिपो की बस स्टैंड से निकलने के लिए चली तभी राजू ने भागकर उसके टायर के नीचे सिर रख दिया। चालक ने सूझबूझ का परिचय

सोनीपत में संदिग्ध हालात में देवर-भाभी की मौत बुजुर्ग महिला की गला काटकर हत्या पास ही देवर का शव फंदे पर मिला

■ एक ही मकान में भूतल व ऊपरी तल पर रह रहे थे दोनों, देवर पर हत्या कर खुद सुसाइड करने का शाक

■ मकान के भूतल पर अकेली रहती थी महिला, पति की हो चुकी मौत, बेटा विदेश में



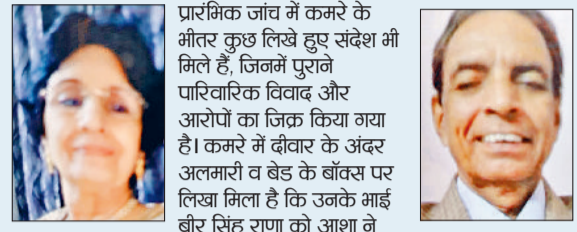
सोनीपत। अलमारी के ऊपर लिखा हत्या संबंधी संदेश।

परिवार में चल रहा था संपति विवाद

जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि परिवार में पहले से कुछ विवाद चल रहे थे, जिनमें संपत्ति और पुराने मामलों को लेकर तनाव बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार दोनों बुजुर्ग सामान्य रूप से अपने-अपने हिस्से में रहते थे और बाहरी तौर पर किसी बड़े विवाद की जानकारी नहीं थी। ऐसे में इस तरह की घटना ने सभी को हैरान कर दिया है।

मूल रूप से गांव रामपुर कुंडल निवासी महाबीर राणा वर्ष 2012 से सेक्टर-14 के मकान नंबर 1120 में परिवार के साथ रह रहे थे। वह मकान की पहली मंजिल पर पत्नी और बेटे के परिवार के साथ रहते थे। वहीं, उनकी भाभी आशा भूतल पर अकेली रहती थी। आशा के पति बीर सिंह का 11 साल पहले निधन हो चुका था। आशा का बेटा कई वर्षों से विदेश में है, लेकिन उसके टिकाने का नहीं पता। घटना वाले

मृतका पर लगाए उनके ही पति की हत्या के आरोप



उषा व उसके पति दिनेश के साथ मिलकर मारा था। इन संदेशों को पुलिस ने गंभीरता से लेते हुए जांच का हिस्सा बनाया है।

दिन सुबह महाबीर राणा घर से यह कहकर निकले थे कि वह दूध लेने जा रहे हैं, लेकिन इसके बाद वह वापस नहीं लौटे। इसी बीच घर में काम करने वाली महिला जब भूतल पर आशा का कमरा खोलने लगी तो वह अंदर से बंद था। दरवाजा ने खुलने पर परिजनों को सूचना दी गई और उसे तोड़ना पड़ा। अंदर का दृश्य देख सभी स्तब्ध रह गए। कमरे में आशा का शव जमीन पर पड़ा था और उनके गले पर धारदार हथियार से वार के निशान थे। वहीं, पास ही महाबीर राणा का शव बिजली के तार के सहारे छत से लटका हुआ मिला। सूचना मिलते ही सेक्टर-27 थाना पुलिस, फॉरेंसिक टीम और क्राइम सीन यूनिट मौके पर पहुंची। वहीं, डीसीपी सोनीपत कुशल पाल सिंह ने बताया कि महिला के मायका पक्ष के लोग उत्तर प्रदेश के नोएडा में रहते हैं। उनके आने के बाद बयान लेकर कार्रवाई की जाएगी।

सोनीपत स्टेशन पर संदिग्ध कैमरे की जांच को नहीं पहुंची टीम

सोनीपत। रेलवे स्टेशन के करीब 500 मीटर दूरी पर रेल लाइन के साथ ओएचई पोल पर सोलर प्लेट सहित लगे संदिग्ध सीसीटीवी कैमरे की तीसरे दिन भी सुध नहीं ली गई। मंगलवार को दिनभर दिल्ली व उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से अधिकारियों व तकनीकी टीम के मौके पर पहुंचने की संभावना का दौर जारी रहा, लेकिन शाम तक किसी ने संदिग्ध सीसीटीवी के प्रति गंभीरता नहीं दिखाई। सूत्रों की मानें तो बुधवार को दिल्ली से टीम पहुंचकर सीसीटीवी की जांच कर सकती है। रेलवे सुरक्षा बल को रिवार सुबह गश्त के दौरान थाने से कुछ दूरी पर हिंदू कन्या कॉलेज के सामने संदिग्ध परिस्थितियों में ओएचई पोल पर सीसीटीवी लगी मिला था। आरपीएफ ने स्थानीय जांच के आधार पर सीसीटीवी संबंधी जानकारी नहीं मिलने पर दिल्ली मुख्यालय स्थित उच्च अधिकारियों को इसकी जानकारी दी थी। साथ ही सीसीटीवी को सफेद कपड़े से ढककर करीब 50 मीटर दायरे को सील कर लोगों के आवागमन पर रोक लगाई गई है। इससे पहले गाजियाबाद में भी ऐसा ही मामला सामने आया है।

ज्वेलर्स को लूटने वाले बदमाश का एनकाउंटर

■ 11 मार्च को 50 लाख के जेवर लूटे थे, दो आरोपी पहले पकड़े थे, तीसरे के पैर में मारी गोली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

गांव सरूरपुर में 11 मार्च को ज्वेलर्स की दुकान पर हुई 50 लाख के सोने की लूट के मामले में तीसरे आरोपी की मंगलवार सुबह सूरजकुंड के पास क्राइम ब्रांच सेक्टर-30 के साथ मुठभेड़ हो गई। इसमें आरोपी के पैर में गोली लगी है। आरोपी का नाम धर्मवीर यादव उर्फ बाबू है, जो संभल का रहने वाला है। इस मामले में गांव सिंगरेड़ा, मुजफ्फरनगर निवासी साकिब और जावेद नाम के



फरीदाबाद। मौकास्थल पर आरोपी की बाइक के साथ पुलिस। फोटो : हरिभूमि

दो आरोपियों को क्राइम ब्रांच पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। एसीपी अपराध वरुण दहिया ने अपने कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि मंगलवार सुबह क्राइम ब्रांच सेक्टर 30 की टीम ने आरोपी धर्मवीर को शूटिंग रेंज रोड सूरजकुंड पर मुठभेड़ के बाद काबू

चौकी के पास से व्यापारी के अपहरण का प्रयास



जुलाना। अपहरण के प्रयास की घटना की जानकारी देते व्यापारी।

■ जुलाना अनाजमंडी में कार सवार दो बदमाशों ने कपड़ा डालकर व्यापारी को उतारना चाहा, लोगों के आने पर भागे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जुलाना

जुलाना कस्बे की पुरानी अनाजमंडी में मंगलवार सुबह एक व्यापारी के अपहरण का प्रयास किए जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना के बाद व्यापारियों में भारी रोष देखने को मिला और उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता जताई। व्यापारी सुशील सुबह के समय टहलने के लिए घर से निकले थे। जब वह अनाज मंडी स्थित चौकी के पास पहुंचे तभी एक सफेद रंग की कार अचानक उनके सामने आकर रुकी। कार से उतरे दो अज्ञात बदमाशों ने सुशील के मुंह पर कपड़ा डालकर जब्रन गाड़ी में बैठाने की कोशिश की। इस दौरान सुशील ने विरोध करते हुए शोर मचाना शुरू कर दिया। धक्का-मुक्की में वह नीचे गिर गए लेकिन उनकी आवाज सुन कर आसपास के लोग सतर्क हो गए। लोगों को आता देख बदमाश मौके से फरार हो गए। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। जुलाना चौकी इंचार्ज अजय कुमार ने बताया कि पुलिस को शिकायत मिली थी कि एक व्यापारी को अपहरण करने की कोशिश की गई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ससुरालियों ने पिस्तौल रख जमीन पत्नी के नाम करवाई, युवक ने किया सुसाइड

■ अस्पताल में युवक ने वीडियो वायरल कर आपबीती बताई

■ परिजनों ने चार पर करवाया केस, गिरफ्तार होने तक पोस्टमार्टम न करवाने पर अड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतिया

क्षेत्र के गांव लठेरा में एक 28 वर्षीय युवक द्वारा कीटनाशक निगलकर आत्महत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतक की पहचान सुखबाज सिंह के रूप में हुई है। आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे और जान से मारने की धमकी दे रहे थे। मरने से पहले युवक ने अस्पताल के बिस्तर से एक वीडियो संदेश भी रिकॉर्ड करवाया, जिसमें उसने अपनी मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के नाम उजागर किए हैं। इस मामले में सदर पुलिस ने मृतक युवक की बहन की शिकायत पर मृतक की पत्नी, सास-ससुर और मामा ससुर सहित 4 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जांच अधिकारी दलबीर सिंह ने जल्द

पत्नी के खिलाफ शिकायत पर नहीं की कार्रवाई

मृतक की बहन ने आरोप लगाया कि उसके बाद से उसकी भाभी के अत्याचार उज पर बढ़ गए जिसके चलते वह अपने भाई को छोड़कर अपनी बुआ के पास रिस्था वली गईं। उसकी भाभी अक्सर उसके भाई सुखबाज के साथ मार पीटाई करती थी, जिसको लेकर हमने पहले भी पुलिस को शिकायत दी थी लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं की गई। सुखपाल कौर ने बताया कि करीब दो महीने पहले रमनदीप कौर झगड़ा कर अपने मायके फतेहाबाद चली गई थी। इसके बाद से ससुराल पक्ष के लोग भी उसके भाई सुखबाज को लगातार परेशान कर रहे थे, जिससे वह मानसिक रूप से काफी तनाव में था।

कार्रवाई करने का आश्वासन दिया लेकिन परिजन गिरफ्तारी तक पोस्टमार्टम न करवाने की मांग पर अड़े रहे।

शिकायत में मृतक युवक की बहन सुखपाल कौर ने बताया कि उनकी गांव लठेरा में 11 एकड़ जमीन है। करीब 25 वर्ष पूर्व उसके उनके माता-पिता का देहांत हो गया था। इसके बाद पंजाब के बोहा निवासी ननिहाल में ही रहते थे। कुछ बड़े होने के बाद दोनों भाई बहन मिलकर गांव लठेरा आकर जमीन की देखभाल करने लगे। इस दौरान 2020 में सुखबाज सिंह की शादी फतेहाबाद निवासी रमन कौर के

रेवाड़ी में खाद्य आपूर्ति विभाग ने नारा छापा गोदाम से 2500 छोटे खाली सिलेंडर जब्त

■ गैस का दबाव बढ़ते ही इनके फटने की संभावना ज्यादा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

प्रदेश में गैस की किल्लत व कालाबाजारी की खबरों के बीच रेवाड़ी में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की टीम ने बड़ी सफलता हासिल की है। मंगलवार सायं बावल के रसियावास फाटक के पास अवैध रूप से बेचे जाने वाले छोटे सिलेंडरों का गोदाम पकड़ा गया है। इस गोदाम से लगभग ढाई हजार खाली सिलेंडर बरामद किए हैं। टीम ने पुलिस को मौके पर बुलाकर केस दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी। पुलिस ने गोदाम मालिक को हिरासत में ले लिया। विभाग को इन्फोसमेंट टीम के इंचार्ज एफएएसओ सत्यप्रकाश, सप्लाय इंचार्ज रविंद्र कुमार व सब इंस्पेक्टर जयबीर सिंह की टीम ने पहले गैस एजेंसियों के स्टॉक की जांच की। इसके बाद बावल के रसियावास रोड पर एक गोदाम पर रेड की। कैलाश एंड सन्स के नाम



सप्लाय इंचार्ज रविंद्र कुमार ने बताया कि इस तरह के सिलेंडर बेचना पूरी तरह गैर कानूनी है। यह सिलेंडर सिंगल लेयर के बने हुए हैं। गैस का दबाव बढ़ते ही इनके फटने से हादसा होने की पूरी आशंका बनी रहती है। ऐसे सिलेंडरों को बेचने के लिए किसी तरह की कोई अनुमति नहीं दी जाती।

से चल रहे गोदाम में बड़ी संख्या में एक किलोग्राम से पांच किलोग्राम वजन तक के छोटे सिलेंडर भरे हुए थे।

जगदीश झंडा पर पंजाब में जानलेवा हमला

कुरुक्षेत्र। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमिटी के प्रधान जगदीश सिंह झंडा पर पंजाब के पटियाला में रास्ता रोककर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। झंडा ने कमिटी के पूर्व प्रधान बलजीत सिंह दादवाल पर हमला करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि दादवाल ने अपने लोगों को उन्हें गोली मारने के लिए भड़काया। दादवाल ने पिस्तौल दिखाते हुए उनकी गाड़ी को खोलने की कोशिश की, लेकिन उनके ड्राइवर ने गाड़ी को भगा लिया। इसके बाद दादवाल ने अपने लोगों के साथ उनका पीछा भी किया। उन्होंने पुलिस चौकी में जाकर अपनी जान बचाई। झंडा ने पटियाला की सतराना पुलिस चौकी में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। वहीं, बलजीत सिंह दादवाल ने आरोप को सिर से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि झंडा झूठ का पुलिसवा है।

परीक्षा केंद्र में मोबाइल से नकल करता छात्र काबू

■ भूना में परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल मिलने से जांच व्यवस्था पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भूना

शहीद राजेश कुमार राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गोरखपुर स्थित परीक्षा केंद्र पर मंगलवार को 12वीं कक्षा की गणित परीक्षा के दौरान नकल का मामला सामने आया। भिवानी बोर्ड की स्पेशल चेरमैन पलाइंग टीम ने औचक

नकल के 13 केस, 3 निरीक्षक रिलीव

भिवानी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने बताया कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की सीनियर सेकेंडरी (शैक्षिक व मुक्त विद्यालय) गणित विषय तथा डी.एल.एड. रि-अपॉइंट की परीक्षा प्रदेशभर में सुव्यवस्थित व शांतिपूर्वक संचालित हुई। प्रदेशभर में गठित उडनदस्तों द्वारा कुछ परीक्षा केंद्रों पर नकल के कुल 13 मामले दर्ज किए गए तथा परीक्षा इयूटी में कोलाही बरतने पर 3 पर्यवेक्षकों को कार्यभार मुक्त किया गया। उन्होंने बताया कि अध्यक्ष विशेष आरक्षण उडनदस्ता गुजरा जिला इज्जत के परीक्षा केंद्र रा.व.मा.वि. डालवा-1 (बी-1) पर नियुक्त पर्यवेक्षक पूनम, हिन्दी प्रवक्ता व भाववानी देवी, इतिहास प्रवक्ता, रा.व.मा.वि. बिचराना की परीक्षा इयूटी में लापरवाही बरतने पर कार्यभार मुक्त किया गया। उप-मण्डल प्रश्न-पत्र उडनदस्ता, कमीना (महेन्द्रगढ़) द्वारा परीक्षा केंद्र रा.व.मा.वि. डोंगरा अहौर-1 (बी-1) पर लिपिक की इयूटी दे रहे सुबेन्द्र कुमार, अंग्रेजी प्रवक्ता, जौकि इसी विद्यालय में नियुक्त होने के कारण परीक्षा इयूटी से कार्यभार मुक्त किया गया।

मौसम पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के चलते हरियाणा व आसपास के क्षेत्र में दिखेगा बदलाव हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर में 19 से 21 मार्च को बारिश, आंधी, अंधड़ और ओलावृष्टि की चेतावनी

आज रात से फिर बदलेगा मौसम, 6 जिलों में अर्रिज अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के चलते बुधवार रात हरियाणा व आसपास के क्षेत्र में मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। दक्षिणी पंजाब और उत्तरी राजस्थान पर चक्रवातीय सर्कुलेशन बनने से अरब सागर व बंगाल की खाड़ी से प्रचुर मात्रा में नमी पहुंचने का प्रभाव पड़ेगा। इससे संपूर्ण पर्वतीय क्षेत्रों में भारी बर्फबारी जबकि मैदानी राज्यों पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में 19-21 मार्च के दौरान हल्की से मध्यम बारिश के साथ होने की संभावना है। इस दौरान 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं, अंधड़, अंधड़ व आंधी की भी आशंका है। इसके अलावा आईएमडी ने कुछ स्थानों पर गरज चमक के साथ बिजली गिरने और ओलावृष्टि की भी संभावना जताई है। आईएमडी ने हरियाणा राज्य के अंबाला, कुरुक्षेत्र, कैथल, जींद, करनाल व पानीपत जिलों के लिए अर्रिज अलर्ट जबकि शेष 16 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी कर दिया है। संभावित मौसम को देखते हरियाणा एनसीआर, दिल्ली में तापमान में बड़ी गिरावट देखने को मिलेगी। दिन और रात्रि तापमान सामान्य से नीचे दर्ज होंगे। गर्मी ने अपने तीखे तैवरों को दिखाना शुरू कर दिया था, परन्तु जैसे ही 14 मार्च को पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ वैसे ही उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी और मैदानी राज्यों में बारिश, आंधी और ओलावृष्टि हुई। हवाएं एक बार से उत्तरी और उत्तरी पश्चिमी होने से बढ़ते तापमान पर लगाम लगी और गर्मी के तैवरों को दिला बना दिया। मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्रमोहन के अनुसार 18 मार्च रात को एक नया मध्यम श्रेणी का पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय होगा। आमजन को मार्च महीने में शीत ऋतु का अहसास होने लगेगा। आने वाले दिनों मार्च महीने के अंतिम दिनों में और अप्रैल महीने के पहले पखवाड़े में लगातार एक के बाद एक पश्चिमी विक्षोभ अपना असर दिखाएंगे।

दिन और रात का तापमान सामान्य से नीचे

हरियाणा एनसीआर दिल्ली में दिन और रात के तापमान गिरने लगे। इसकी वजह से दिन और रात के तापमान सामान्य से नीचे पहुंच गए। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर रात्रि तापमान 10.0 डिग्री सेल्सियस से 15.0 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया है और रात के तापमान सामान्य से नीचे बने हुए हैं जबकि सम्पूर्ण राज्य में दिन के तापमान में भी गिरावट देखने को मिल रही है और दिन के तापमान भी सामान्य से नीचे बने हुए हैं।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर का ब्रासेल्स दौरा पूरा

ईयू नेताओं के साथ एफटीए पर की बातचीत आर्थिक क्षमता और संभावना पर दिया जोर

एजेंसी नई दिल्ली

भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने ब्रासेल्स का अपना दौरा पूरा किया। ब्रासेल्स के दौरे पर उन्होंने यूरोपीय यूनियन (ईयू) के नेताओं और विदेश मंत्रियों से बातचीत की। उन्होंने हाल ही में हस्ताक्षर किए गए भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) के तहत व्यापार, तकनीक, सुरक्षा और गतिविधि में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए आर्थिक क्षमता पर चर्चा की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर डॉ. एस. जयशंकर ने ब्रासेल्स के दौरे से संबंधित बैठकों की जानकारी साझा करते हुए कहा कि उन्होंने ईयू विदेश मामलों के परिषद के सदस्यों से मुलाकात की और एंटोनियो कोस्टा, उर्सुला वॉन डेर लैयेन और ईयू के विदेश मामलों और सुरक्षा नीति की उच्च प्रतिनिधि काजा कैलास समेत वरिष्ठ यूरोपीय नेताओं के साथ चर्चा की।

एफटीए ईयू के साथ टर्निंग पॉइंट



डॉ. एस. जयशंकर काजा कैलास से मुलाकात करते हुए

विदेश मंत्री ने कहा कि एफटीए द्विपक्षीय संबंधों में एक बड़ा मील का पत्थर होगा। यह भारत-ईयू संबंधों में एक टर्निंग पॉइंट है। यह न सिर्फ इसकी बहुत बड़ी आर्थिक क्षमता को उजागर करेगा बल्कि हमारे जुड़ाव को रणनीतिक प्रवृत्ति को भी दिखाएगा। दोनों पक्षों को व्यापार और निवेश प्रोत्साहन सहित व्यावहारिक गतिविधियों में एक-दूसरे की सक्रिय तौर पर मदद करनी चाहिए।

जयशंकर ने कहा कि व्यापार और तकनीकी परिषद (टीटीसी) को बेहतर किया जा सकता है। इससे नई और आधुनिक तकनीकों में सहयोग आसान होगा। सफ्टवेयर को सुरक्षित और मजबूत बनाना दोनों का साझा लक्ष्य है। एफटीए इस मकसद के लिए गहरे बिजनेस लिंकेज को बढ़ावा देगा।

जीसीसी में दोनों पक्षों की दिलचस्पी

विदेश मंत्री ने कहा कि रिक्लेस की मोबिलिटी और टैलेंट फ्लो बहुत जरूरी हैं। भारत में लीगल गेटवे ऑफिस की स्थापना ध्यान देने लायक है। भारत में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) को बढ़ावा देने में दोनों पक्षों की एक जैसी दिलचस्पी है। दोनों पक्ष सुरक्षा और रक्षा साझेदारी को आगे बढ़ाकर सुरक्षा सहयोग को आगे बढ़ाएंगे। सूचना सुरक्षा समझौता जल्द पूरा किया जाएगा।

होर्मुज संकट पर भारत का दावा

ईरान से चल रही बातचीत, भारतीय जहाजों को सुरक्षित लाना ही लक्ष्य

एजेंसी नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट को लेकर मंगलवार को विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि ईरान और अन्य देशों के साथ बातचीत चल रही है। कई जहाज अभी भी होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र में मौजूद हैं। हमारा इरादा ईरान और अन्य देशों के साथ मिलकर इन जहाजों को सुरक्षित वापस लाना है। यही हमारा उद्देश्य है और इस मुद्दे पर बातचीत जारी है। मानवीय सहायता के संबंध



में भी हम ईरान के साथ कई मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं। जायसवाल ने कहा कि ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत के पास है। ब्रिक्स आपसी सहमति के आधार पर काम करता है। इस समय चल रहे संघर्ष में ब्रिक्स के कई सदस्य शामिल हैं। इसी वजह से देशों के बीच अलग-अलग रुख को एक साथ लाना मुश्किल हो रहा है। लेकिन हम सभी पक्षों के साथ लगातार जुड़े हुए हैं और बातचीत कर रहे हैं।

5 भारतीयों की मौत, 1 लापता, 2 शव सौंपे

वहीं, विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (खाड़ी क्षेत्र) असीम महाजन ने कहा कि पहले की घटनाओं में कुल 5 भारतीयों की मौत हो चुकी है और एक अभी लापता है। ओमान से दो शव आज भारत पहुंच चुके हैं। ओमान, इराक और यूएई में हमारे दूतावास लापता भारतीयों की तलाश और बाकी तीन मृतकों के शवों को जल्द भारत लाने के लिए संबंधित अधिकारियों के संपर्क में हैं।

पश्चिम एशिया में तनाव करने में भारत महत्वपूर्ण भूमिका निभाए

हेलसिंकी (एजेंसी)। इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच जारी हमलों की वजह से पश्चिम एशिया में इस समय भारी तनाव और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। ऐसे हालात में फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने दावा किया है कि भारत अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने में एक महत्वपूर्ण डिप्लोमैटिक भूमिका निभा सकता है। उन्होंने पश्चिम एशिया में संघर्ष के बढ़ते रहने के बीच तुरंत सीजफायर की अपील की। स्टब ने कहा कि वैश्विक कोशिशों को दुश्मनी रोकने और बातचीत के रास्ते खोलने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत तनाव कम करने के मकसद से की जा रही कूटनीतिक कोशिशों में शायद मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि हमें सीजफायर की जरूरत है। मैं सोच रहा हूँ कि क्या भारत सच में इसमें शामिल हो सकता है।

अमेरिकी अधिकारी जो केंट का ईरान युद्ध के विरोध में इस्तीफा

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के शीर्ष आतंकवाद-रोधी अधिकारियों में से एक जो केंट ने मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने इसके पीछे ईरान युद्ध का विरोध और इजराइल के डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन पर प्रभाव को कारण बताया। केंट नेशनल काउंटरटेररिज्म सेंटर के निदेशक थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मैं अच्छे धिवेक के साथ ईरान में चल रहे युद्ध का समर्थन नहीं कर सकता। ईरान से हमारे देश को कोई तत्काल खतरा नहीं था और यह स्पष्ट है कि हमने यह युद्ध इजराइल और उसके शक्तिशाली अमेरिकी लॉबी के दबाव में शुरू किया। ईरान युद्ध को लेकर इस्तीफा देने वाले केंट, ट्रंप प्रशासन के अब तक के सबसे वरिष्ठ अधिकारी हैं। उनका यह कदम राष्ट्रपति ट्रंप के गठबंधन में बढ़ती दरारों को उजागर करता है। केंट, ट्रंप के करीबी सहयोगी टकर कार्लसन के मित्र हैं, जो इस युद्ध के सबसे मुखर आलोचक बनकर उभरे हैं।

नाटो देश ईरान जंग में साथ नहीं देना चाहते हम उनकी रक्षा करते हैं, वे नहीं कर रहे: ट्रंप

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि नाटो के ज्यादातर सहयोगी देश ईरान के खिलाफ चल रहे अमेरिकी सैन्य अभियान में शामिल नहीं होना चाहते। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अमेरिका वर्षों से इन देशों की सुरक्षा पर अरबों डॉलर खर्च करता रहा है, लेकिन जरूरत के समय वे साथ नहीं आते। उन्होंने नाटो को 'वन-वे स्ट्रीट' बताया। ट्रंप ने कहा कि उन्हें इस रवैये पर हैरानी नहीं है और अमेरिका को अब सहयोगी देशों की मदद की जरूरत भी नहीं है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने ईरान की सैन्य ताकत को काफी हद तक खत्म कर दिया है और अब वह किसी के समर्थन के बिना भी स्थिति संभाल सकता है।

कालाबाजारी रोकने के लिए देश में मारे गए 12 हजार छापे

नई दिल्ली। पश्चिम-एशिया क्षेत्र में ईरान और अमेरिका युद्ध की वजह से लगातार बिगड़ते हालातों के बीच मंगलवार को सरकार ने एक बार फिर से ब्रह्मचर्या है कि देश में पेट्रोल और डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। तेल रिफाइनरियां अपनी 100% क्षमता के साथ उत्पादन कर रही हैं। वहीं, ये भी साफ किया कि एलपीजी की मामलों को लेकर हालात चिंताजनक नहीं बने हुए हैं। किसी भी गैस वितरक के पास कमी या डाई आउट की कोई सूचना नहीं है।

यूएन में अफगानिस्तान में हमलों को लेकर पाक को भारत ने लताड़ा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाकिस्तान की आलोचना करते हुए कहा कि उसकी पड़ोसी देशों में 'इस्लामोफोबिया' (इस्लाम के प्रति घृणा) की काल्पनिक कहानियां गढ़ने की आदत है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने कहा कि यह सोचने वाली बात है कि इस देश में अहमदियाओं का क्रूर दमन, बेबस अफगानों की बड़े पैमाने पर जबरन वापसी या रमजान के पवित्र माह में हवाई बमबारी को क्या कहा जाएगा? हरीश सोमवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस्लामोफोबिया से निपटने के अंतरराष्ट्रीय दिवस को संबोधित कर रहे थे।

भारत में 20 करोड़ मुस्लिम आबादी

भारत में 20 करोड़ से अधिक मुस्लिम आबादी का उल्लेख करते हुए हरीश ने कहा कि जम्मू कश्मीर समेत भारत में मुस्लिम समुदाय अपने प्रतिनिधियों का चुनाव स्वयं करता है। यूएन में जो 'फोबिया' दिखाई देता है, वह भारत में सभी समुदायों, विशेषकर मुस्लिम समुदायों के बीच मौजूद बहुसांस्कृतिक और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के खिलाफ है। ऐसे विमर्श भारत के मूल स्वभाव के विपरीत हैं।

यूएन धर्म और राजनीति से ऊपर

हरीश ने कहा कि इतिहास गवाह है कि धर्म का राजनीतिकरण समस्याओं का समाधान नहीं करता, बल्कि इससे विभाजनकारी सोच को बढ़ावा मिलता है। संयुक्त राष्ट्र एक ऐसी संस्था है जो धर्म, संस्कृति और राजनीति से ऊपर है। इसकी विश्वसनीयता इसकी सार्वभौमिकता और निष्पक्षता में है। इसलिए हम ऐसे दावों से सावधान रहने की अपील करते हैं जो केवल एक धर्म पर केंद्रित हैं।

समृद्धि का नवयुग यूपी का स्वर्णयुग

उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व विकास एवं सतत समृद्धि के 9 वर्ष पर वार्षिक पुस्तक

नवनिर्माण के 9 वर्ष का विमोचन द्वारा योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

गरिमानायी उपस्थिति

पंकज चौधरी राज्य मंत्री, वित्त, भारत सरकार	केशव प्रसाद मोर्य उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश	ब्रजेश पाठक उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
सुरेश कुमार खन्ना मंत्री, वित्त एवं संसदीय कार्य, उत्तर प्रदेश	सूर्य प्रताप शाही मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान, उत्तर प्रदेश	बेबी रानी मोर्य मंत्री, महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुशाहार, उत्तर प्रदेश
आशीष पटेल मंत्री, प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता संरक्षण एवं बाट माप, उत्तर प्रदेश	संजय निषाद मंत्री, मत्स्य, उत्तर प्रदेश	ओम प्रकाश राजभर मंत्री, पंचायती राज, अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज, उत्तर प्रदेश
		अनिल कुमार मंत्री, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, उत्तर प्रदेश

एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

दिनांक : 18 मार्च, 2026 | समय : पूर्वाह्न 11:00 बजे | स्थान : लोक भवन सभागार, लखनऊ

प्रमुख आकर्षण डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'नवनिर्माण के 9 वर्ष' का प्रदर्शन। उत्तर प्रदेश-उत्सव प्रदेश की थीम पर आधारित लघु फिल्म 'समृद्धि के प्रवेश द्वार' का प्रदर्शन

सांस्कृतिक पुनर्जागरण <ul style="list-style-type: none"> श्रीअयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम का दिव्य-भय्य मंदिर श्री काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर निर्माण से संवरा अविनाशी काशी का स्वल्प महाकुंभ में 66 करोड़+ श्रद्धालुओं ने लगाई पुण्य की डुबकी 	सुदृढ़ कानून-व्यवस्था <ul style="list-style-type: none"> अपराध तथा अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति नाफिया का अंत, भयमुक्त वातावरण यूपी 112 पुलिस कंट्रोल का रिस्पॉन्स टाइम घटकर 6 मिनट, 41 सेकेंड हुआ 	परिवर्तनकारी विकास <ul style="list-style-type: none"> 7 एक्सप्रेसवे संचालित, 15 विकास के विभिन्न चरणों में 16 एयरपोर्ट संचालित, 8 निर्माणाधीन सबसे अधिक 7 शहरों में मेट्रो ट्रेन देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट, नोएडा में तैयार
शासन व्यवस्था में सुधार <ul style="list-style-type: none"> श्रावचार मुक्त शासन दस्तावेजों का डिजिटलीकरण स्वामित्व योजना से आवासीय संपत्ति का मालिकाना हक 	युवा शक्ति एवं रोजगार सृजन <ul style="list-style-type: none"> पारदर्शी प्रक्रिया से 9 लाख+ सरकारी नौकरियां 3 करोड़+ निजी क्षेत्र/एमएसएमई में रोजगार मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से ब्याज मुक्त ऋण 	औद्योगिक विकास एवं निवेश <ul style="list-style-type: none"> ₹50 लाख करोड़+ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त ₹15 लाख करोड़+ का निवेश धरातल पर उतरा आईटी पार्क, एआई और डेटा सेंटर निवेश को प्रोत्साहन
महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण <ul style="list-style-type: none"> नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को समर्पित 'मिशन शक्ति' अभियान मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना से बेटीयों हो रहीं सशक्त उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से गांव-गांव जगो आत्मनिर्भरता की अलख 	कृषि समृद्धि <ul style="list-style-type: none"> खाद्यान्न, गन्ना, आम एवं दूध उत्पादन में देश में प्रथम प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से 3.12 करोड़ किसान लाभान्वित, ₹99,000 करोड़+ खातों में अंतरित गन्ना किसानों को ₹3.15 लाख करोड़+ का भुगतान, गन्ना मूल्य ₹315 से बढ़कर ₹400 प्रति क्विंटल 	पर्यटन एवं एमएसएमई <ul style="list-style-type: none"> 2025 में 156 करोड़+ पर्यटकों का रिकॉर्ड आगमन अयोध्या में विश्वस्तरीय मंदिर संग्रहालय प्रक्रियाधीन लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का निर्माण 96 लाख+ एमएसएमई इकाइयां संचालित एक जनपद - एक व्यंजन योजना लॉन्च

विकास की गति अपार-डबल इंजन सरकार

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश | लाइव प्रसारण | DD NEWS & Youtube.com/DDNEWS

चिंतन

पहले अपने घर को दुरुस्त करे कांग्रेस

राज्यसभा चुनावों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि राजनीति केवल संख्या का खेल नहीं, बल्कि संगठन, अनुशासन और नेतृत्व की असली परीक्षा भी होती है। इस बार के चुनावों में जो तस्वीर उभरकर सामने आई है, उसने कांग्रेस की आंतरिक कमजोरियों को न सिर्फ उजागर किया, बल्कि यह भी दिखाया कि पार्टी अभी उस मजबूती से काफी दूर है, जो कभी इंदिरा गांधी और पीवी नरसिम्हा के दौर में देखने को मिलती थी। हरियाणा, बिहार और ओडिशा जैसे राज्यों में जो घटनाक्रम सामने आया, वह केवल चुनावी हार-जीत की कहानी नहीं है, बल्कि संगठनात्मक बिखारान की गंभीर चेतावनी है। हरियाणा में कांग्रेस द्वारा अपेक्षाकृत कम चर्चित उम्मीदवार कर्मवीर बौद्ध को मैदान में उतारना ही असंतोष की जड़ बन गया। नतीजा यह रहा कि पार्टी के पास 37 विधायक होने के बावजूद केवल 28 वोट ही उम्मीदवार के पक्ष में पड़े। हालात इतने बिगड़े कि विधायकों को एकजुट रखने के लिए उन्हें दूसरे राज्य में शिफ्ट करने जैसी रणनीति अपनानी पड़ी। यह स्थिति बताती है कि पार्टी के भीतर विश्वास और संवाद का अभाव गहराता जा रहा है। बिहार में स्थिति और भी चिंताजनक रही। यहां कांग्रेस और राजद के विधायकों द्वारा मतदान से दूरी बनाना महज लापरवाही नहीं, बल्कि नेतृत्व के प्रति असहमति का संकेत है। जब विधायक खुले तौर पर यह कहें कि उन्हें स्पष्ट निर्देश ही नहीं मिले तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि पार्टी का कमांड और कंट्रोल सिस्टम आखिर कितना प्रभावी है। परिणामस्वरूप एनडीए ने सभी सीटों पर जीत दर्ज कर विपक्ष को करारा झटका दिया। ओडिशा में तो मामला अनुशासनहीनता की हद तक पहुंच गया। कांग्रेस के विधायकों द्वारा क्रॉस वोटिंग करना और फिर पार्टी द्वारा उन्हें बाहर का रास्ता दिखाना इस बात का प्रमाण है कि अंदरूनी असंतोष अब नियंत्रण से बाहर हो रहा है। यह केवल एक राज्य की समस्या नहीं, बल्कि एक व्यापक प्रवृत्ति का संकेत है, जहां व्यक्तिगत निर्णय पार्टी लाइन पर भारी पड़ रहे हैं। इन घटनाओं का सबसे गंभीर पहलू यह है कि यह सब उस समय हो रहा है, जब कांग्रेस खुद को राष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रही है, लेकिन राज्यसभा जैसे अहम चुनावों में इस तरह की चूक यह दर्शाती है कि पार्टी का जमीनी ढांचा अभी भी कमजोर है। नेतृत्व की ओर से उम्मीदवार चयन में स्थानीय समीकरणों और कार्यकर्तों की भावनाओं को नजरअंदाज करना महंगा साबित हो रहा है। इसके विपरीत, सत्तारूढ़ गठबंधन ने इन कमजोरियों का पूरा फायदा उठाया। बेहतर रणनीति, स्पष्ट निर्देश और मजबूत संगठनात्मक पकड़ के चलते उन्होंने अधिकांश सीटों पर जीत हासिल की। यह अंतर साफ बताता है कि आज की राजनीति में केवल विचारधारा नहीं, बल्कि प्रबंधन और अनुशासन भी उतने ही जरूरी हैं। कांग्रेस के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती आत्ममंथन की है। क्या पार्टी अपने भीतर के असंतोष को समय रहते दूर कर पाएगी? क्या नेतृत्व राज्यों में मजबूत और स्वीकार्य चेहरों को आगे लाने में सफल होगा? और सबसे महत्वपूर्ण, क्या वह अपने विधायकों और कार्यकर्तोंओं के बीच भरोसा कायम कर पाएगी? यह चुनाव कांग्रेस के लिए एक चेतावनी है कि सिर्फ विपक्ष में होना पर्याप्त नहीं, एक प्रभावी और संगठित विपक्ष बनना जरूरी है। वरना, रास के इस चुनाव में जो दरारें दिखाईं हैं, वे आने वाले समय में और भी गहरी हो सकती हैं। इसलिए जरूरी है कि कांग्रेस भाजपा से लड़ाई के बजाय अपने घर को दुरुस्त करे।

मुद्दा अखिलेश आर्यन्दु



भारत के सामने क्यों है युद्ध रुकवाना चुनौतीपूर्ण

ब्रिक्स के गठन के बाद कुछ देशों में युद्ध के हालात बने लेकिन वे वैश्विक तेल और आर्थिक संकट की वजह नहीं बनें। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद ईरान के साथ अमेरिका-इजराइल के संयुक्त युद्ध के हालात दुनिया में कई तरह की समस्याएं और संकट पैदा कर रहे हैं। अमेरिका के मित्र देशों पर ईरान के हमले के बाद हालात कुछ ज़्यादा ही जटिल हो गए हैं। कई देशों में उनकी अर्थव्यवस्था पर सीधे अवर पड़ा है। दुनिया का भ्रं यह आशंका होने लगी है कि कहीं यह युद्ध विश्व-युद्ध का रूप न ले ले। उपर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद जल्द से जल्द युद्ध खत्म कराने की कोशिश में है। दूसरी तरफ भारत की कोशिश है कि जल्द से जल्द आपसी संवाद के जरिए युद्ध रोका जाए और तेल संकट जो दुनिया के लिए आर्थिक संकट के रूप में उभर आया है, उस पर आपसी सहमतियां बनें। ब्रिक्स के जरिए भी यह कोशिश हो रही है कि युद्धरत देशों में आपसी संवाद का रास्ता आगे बढ़े और युद्ध विराम हो। हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजिशक्यन के बीच टेलीफोन पर बातचीत के दौरान मसूद ने कहा था कि यदि भारत ईरान का मित्र है तो ब्रिक्स को चाहिए कि बढ़ते संघर्ष से निपटने में मजबूत और रचनात्मक भूमिका निभाए। भारत ब्रिक्स का वर्तमान में अध्यक्ष है। अध्यक्ष होने की वजह से ईरान चाहता है कि भारत ब्रिक्स के जरिए अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान पर हमलों की निंदा करने के लिए सदस्य देशों में सहमति बैठाने की कोशिश करे।

भारत का दृष्टिकोण इस मामले में बेहद संतुलित है। विदेश मंत्रालय का मानना है कि इस मामले में सीधे किसी देश के प्रति पक्षपातपूर्ण व्यवहार नहीं हो सकता, इसलिए युद्धरत देशों में आपसी संवाद ही सबसे मुफ़ीद रास्ता है। इस मुद्दे पर ब्रिक्स के भीतर सहमति बनाना बेहद कठिन हो गया है क्योंकि समूह के कुछ सदस्य देश मौजूदा संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल हैं। ब्रिक्स के सदस्य देशों के साथ भारत लगातार संपर्क बनाए हुए है और एक संवाद प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है। गौरतलब है कि शेरपा ब्रिक्स के सदस्य देशों का एक माध्यम है। इसके जरिए सदस्य देशों की आधिकारिक कूटनीति को आगे बढ़ाने का कार्य किया जाता है।

इसके जरिए किसी शिखर सम्मेलन से पहले सदस्य देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधि आपसी संवाद को आगे बढ़ाते हैं और मुद्दों पर एक सहमति बनाने की कोशिश की जाती है। ब्रिक्स देशों के जो प्रतिनिधि उस देश के जरिए नियुक्त किए जाते हैं, उन्हें शेरपा कहा जाता है। ये शेरपा उन देशों के नेताओं के बैठक के पहले बैठक का एजेंडा, बयान और समझौते के मसौदे तैयार करने में अहम रोल निभाते हैं। ब्रिक्स देशों के राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त अधिकारी को 'शेरपा' कहा जाता है और उन अधिकारियों के बीच होने वाली बातचीत को शेरपा चैनल कहा जाता है। 'ब्रिक्स' की स्थापना के वक्त इसमें भारत, ब्राजील, रूस, दक्षिण अफ्रीका और चीन शामिल थे। ये वे देश हैं जिन पर ईरान के आक्रमण का सामना करना पड़ रहा है या इजराइल-अमेरिका के आक्रमण का सामना करना पड़ रहा है। मौजूदा युद्ध के हालात में ब्रिक्स देशों में युद्ध रुकवाने या अमेरिका-इजराइल के ईरान पर आक्रमण को लेकर निंदा का सर्वसम्मति सहमति न बन पाने की वजह सबके अपने स्वार्थ और एक दूसरे से संबंध हैं। वर्तमान में विश्व के हालात पिछले वर्षों में युद्धरत देशों से अलग तरह के हैं। गौरतलब है 2025 में ब्राजील की अध्यक्षता में ब्रिक्स ने जून 2025 में ईरान पर इजराइल के हमलों को लेकर दो बयान जारी किए थे। इस साल भारत सहित ब्रिक्स देशों की स्थिति अलग तरह की है। भारत और संयुक्त अरब इमीरात सहित गल्फ क्लफ ऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) के देशों पर ईरान के हमलों की निंदा की है। वहीं पर ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमलों को लेकर भारत ने कोई बयान जारी नहीं किया है। सवाल यह है कि क्या कोई संयुक्त बयान जारी न करवा पाने की वजह से ब्रिक्स की प्रेंसीडेंसी की प्रतिष्ठा धूमिल हो रही है? क्या बयान जारी न करवा पाना मोदी सरकार की विदेश नीति की विफलता माना जाएगा? दरअसल, पिछले साल के विश्व हालात और वर्तमान के हालात में अंतर है। ईरान ने अमेरिकी मित्र देशों पर हमला करके स्थिति को काफी जटिल बना दी है। इनमें से ज़्यादातर देश ब्रिक्स के सदस्य हैं। इसलिए ईरान के प्रति हमदर्दी दिखाना धर्मसंकट जैसी स्थिति बन गई है। भारत फिर भी इस नीति पर चल रहा है कि युद्ध जल्द खत्म हो और युद्धरत देशों में संवाद की स्थिति बन बने। तेल और आर्थिक संकट से दुनिया के देश बाहर आएंगे।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



तकनीक प्रमोद भार्गव

➤

सैन्य प्रौद्योगिकी की दुनिया में दिखाई जाने वाली फिल्मी कहानियां अब मानव जीवन की टोस सच्चाई में बदलती दिख रही हैं। अमेरिकी टेक कंपनी 'फाउंडेशन' ने दुनिया का पहला आदमी जैसा ह्यूमनोइड कृत्रिम बुद्धि से संचालित रोबोट सैनिक 'फैटम एमके-1' तैयार कर लिया है। स्टील से बना यह सैनिक रोबोट एम-16 राइफल, रिवाल्वर और शॉटगन जैसे हथियार चलाने में दक्ष है। इस सैनिक की परख फ़िलहाल कारखानों और बंदरगाहों पर की जा रही है। अमेरिका ही नहीं रूस,चीन और भारत भी ऐसे सैनिक बनाने में जुटे हैं। भारत का डीआरडीओ ये रोबोट बना रहा है। इजराइल ऐसे सैनिक बना चुका है। हालांकि सैनिक के रूप में अभी उनका युद्ध के मैदान में परीक्षण होना शेष है।

यूएस उतारेगा ईरान के विरुद्ध रोबोट सेना

मनुष्य की सोच असीम संभावनाओं से जुड़ी है। कल्पना से शुरू होने वाले विचार सच्चाई के धरातल पर आकार लेते हैं, तो आंखें हैरान रह जाती हैं। सैन्य प्रौद्योगिकी की दुनिया में दिखाई जाने वाली फिल्मी कहानियां अब मानव जीवन की टोस सच्चाई में बदलती दिख रही हैं। अमेरिकी टेक कंपनी 'फाउंडेशन' ने दुनिया का पहला आदमी जैसा ह्यूमनोइड कृत्रिम बुद्धि से संचालित रोबोट सैनिक 'फैटम एमके-1' तैयार कर लिया है। स्टील से बना यह सैनिक रोबोट एम-16 राइफल, रिवाल्वर और शॉटगन जैसे हथियार चलाने में दक्ष है। इस सैनिक की दक्षता की परख फ़िलहाल कारखानों और बंदरगाहों पर की जा रही है। अमेरिका ही नहीं रूस,चीन और भारत भी ऐसे सैनिक बनाने में जुटे हैं। भारत का डीआरडीओ ये रोबोट बना रहा है। इजराइल ऐसे सैनिक बना चुका है।

हालांकि सैनिक के रूप में अभी उनका युद्ध के मैदान में परीक्षण होना शेष है। यह एक नए शीत युद्ध और नई तकनीक की होड़ की शुरुआत है, जो दुनिया को ऐसे स्व-नियंत्रित रोबोट सैनिकों को सौंपने जा रही है, जो कृत्रिम बुद्धि से विस्फोटक निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हैं। इजराइल पहले ही एक ऐसी 'रोक रोबोट' सेना तैयार कर चुका है, जो न केवल युद्ध लड़ेगी, बल्कि सीमा पर इंसानी सैनिकों की जगह भी ले लेगी। इजराइल की विख्यात रक्षा कंपनी इल्विट रोबो टीमें ने इस सेना को तैयार किया है। रोबो टीम के सीईओ इलाजल्वी के मुताबिक अब तक आकाश में ड्रोन और हवाई रोबोट के जरिए होने वाले सभी काम धरती पर भी हो सकेंगे। मानव रहित रोक रोबोट के अंदर स्वयं ही खतरों को भांपकर फैसला लेने की क्षमता विकसित कर दी गई है। कृत्रिम बौद्धिक क्षमता से परिपूर्ण ये रोबोट जंग के मैदान में खराब होने पर इसके पुर्जे साथ चलने वाले रोबोट सैनिक बदल देंगे। इसकी इस विशेषता से रोबोट सैनिक एकाएक निष्कर्ष नहीं होंगे। 200 किलोग्राम वजन वाले इस रोक रोबोट की दौड़ने की क्षमता 30 किलोमीटर प्रतिघंटा है। यह 1200 किलोमीटर मारक क्षमता वाले हथियार लेकर चलने में सक्षम हैं। इसकी कीमत डेढ़ लाख डॉलर से लेकर तीन लाख डॉलर तक है। मसलन भविष्य के युद्ध रोबोट थल सेना लड़ेगी।ये सैनिक डर और थकान से मुक्त होंगे। कृत्रिम बौद्धिकता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पिछले एक दशक से अपनी हैरतअंगेज उपलब्धियों व भविष्य की संभावनाओं के चलते दुनिया में चर्चा का विषय बनी हुई है। एलन मस्क, बिल गेट्स और स्टीफन हॉकिंग ने इसकी अतिरिक्त बुद्धि एवं शक्ति से आश्चकित होकर कई बार चेताया भी है। बावजूद अनेक ऐसे पूंजी-निवेशक और वैज्ञानिक हैं, जो

एआई को एक बेहतर भविष्य के सपने के रूप में देखते रहे हैं। आज रोबोट कारखानों में मजदूरी के काम से लेकर शिक्षक, टीवी एंकर, नर्स और अब सैनिक की भूमिका में अवतरित होने जा रहा है। सवाल उठ रहे हैं कि कहीं भविष्य में यह मशीनी रोबोट मनुष्य पर ही भारी न पड़ जाए। मानव और मशीन के बीच पैदा होने वाले ये द्वंद्व हकीकत में किस सच्चाई के रूप में सामने आएंगे, यह तो फ़िलहाल भविष्य के गर्भ में है, लेकिन जब-जब कोई नया आविष्कार हुआ है तो वह शंका का कारण तो बना ही है। भारत सरकार इस कोशिश में है कि तीनों सेनाओं में कृत्रिम बुद्धि (आर्टिफिशियल इन्टेलीजेंसी) से निर्मित



रोबोटिक हथियारों की संख्या बढ़ा दी जाए। इस नाते एक महत्वाकांशी रक्षा परियोजना की शुरुआत की गई है। इस परियोजना का लक्ष्य मानव रहित टैंक, जलपोत, स्वचालित राइफल और रोबो आर्मी तक खड़ी की जाने की तैयारी है। हवाईयानों को भी रोबोटिक हथियारों से सक्षम बनाया जाएगा। यह परियोजना जब क्रियान्वित हो जाएगी, तब भारत की थल, जल और वायु सेनाएं युद्ध लड़ने के लिए नई तकनीक से सक्षम हो जाएंगी। टाटा संस के प्रमुख एन चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाला एक उच्च स्तरीय समूह इस परियोजना को अंतिम रूप दे रहा है। इसमें भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) भी सहयोग कर रहा है। दरअसल, भविष्य के युद्धों में रोबोट और मानव रहित हथियार ही ज़्यादा उपयोग में लाए जाएंगे।

इससे युद्ध में मानव सैनिकों के प्राण बचेंगे। परंतु रक्षा विशेषज्ञों की चिंता है कि यदि युद्ध के दौरान एआई में तकनीकी व्यवधान और हैकिंग के बड़े संकट हैं। अतएव इंसानी नियंत्रण से मुक्त इन मशीनी सैनिकों को फैसले लेने की छूट मिल जाती है तो ये युद्ध को पलों में त्रांडव में बदल सकते हैं, लेकिन भारत जैसे देश को सेना

हृदय का करे अनुसरण

कोई भी धर्मग्रंथ हमें धार्मिक नहीं बना सकता। चाहे हम दुनिया के सारे धर्मग्रंथ पढ़ डालें, परंतु फिर भी ईश्वर या धर्म का हमें तनिक भी ज्ञान नहीं होता। हम सारी उम्र धर्म या ईश्वर संबंधी बातें करते रहें, पर हमारी आध्यात्मिक उन्नति नहीं होती। दुनिया के विद्वानों ने भले ही हमारी बुद्धि प्रखर कर दी हो, पर हम ईश्वर तक नहीं पहुंच सके। पाश्चात्य संस्कृति का दोष यह है कि हम बुद्धि का संस्कार करते समय हृदय के संस्कार की ओर ध्यान ही नहीं देते। इसका परिणाम यह होता है कि मनुष्य बस गुना स्वार्थी हो जाता है। यदि हृदय और बुद्धि में विरोध उत्पन्न हो, तो तुम हृदय का अनुसरण करो, क्योंकि बुद्धि केवल एक तर्क के क्षेत्र में ही काम कर सकती है, वह उसके परे जा ही नहीं सकती, पर वह केवल हृदय ही है, जो हमें उच्चतम भूमिका पर आरूढ़ करता है। वहां तक बुद्धि कभी नहीं पहुंच सकती। हृदय, बुद्धि का अतिक्रमण कर अंत:स्फूर्ति को पा लेती है। बुद्धि से कभी अंत:स्फूर्ति प्राप्त नहीं हो सकती। अंत:स्फूर्ति का कारण केवल ज्ञानोदय बासित हृदय ही है। बुद्धिप्रधान, किंतु हृदय शून्य मनुष्य कभी स्फूर्तिमान नहीं बन सकता। प्रेमयय पुरुष की समस्त क्रियाएं उसके हृदय से अनुप्राणित होती हैं। एक ऐसा उच्चतर साधन, जिसे बुद्धि कभी नहीं दे सकती, अगर किसी ने पाया है तो हृदय ने ही, और वह साधन है अंत:स्फूर्ति। जिस तरह बुद्धि ज्ञान का साधन है, उसी तरह हृदय अंत:स्फूर्ति का। शुरुआत में हृदय इतना शक्तिशाली नहीं होता, जितनी की बुद्धि।



करंट अफेयर

अहमदिया के दमन को लेकर पाकिस्तान की आलोचना

भारत ने पाकिस्तान की आलोचना करते हुए कहा कि उसकी पड़ोसी देशों में ‘इस्लामोफोबिया’ (इस्लाम के प्रति घृणा) की ‘काल्पनिक कहानियां गढ़ने’ की आदत है और सवाल उठाया कि इस्लामाबाद के अपने ही देश में अहमदिया समुदाय के क्रूर दमन या रमजान के दौरान अफगानिस्तान पर हवाई बमबारी को कैसे देखा जाए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने कहा, ‘भारत का पश्चिमी पड़ोसी देश अपने आसपास इस्लामोफोबिया की कल्पनिक कहानियां गढ़ने का उत्कृष्ट उदाहरण है।’ उन्होंने कहा, ‘यह सोचने वाली बात है कि इस देश में अहमदिियाओं का क्रूर दमन, बेबस अफगानों की बड़े पैमाने पर जबरन वापसी या रमजान के पवित्र माह में हवाई बमबारी को क्या कहा जाएगा?’ हरीश सोमवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस्लामोफोबिया से निपटने के अंतरराष्ट्रीय दिवस को संबोधित कर रहे थे। पाकिस्तान की कड़ी आलोचना करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि ‘इस्लामिक सहयोग संगठन ’ ने बार-बार भारत के खिलाफ झूटे और बेबुनियादी आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि इस संगठन को ‘हमारे पश्चिमी पड़ोसी ने भारत के खिलाफ हथियार की तरह इस्तेमाल करने की व्यवस्थित तरीके से कोशिश की है।’



वालों की तुलना में काफी अधिक चर्ची कम हुई और वे पूरे दिन शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय रहे। शोधकर्तोंअ ने प्रतिभागियों को 12 सप्ताह के लिए तीन समूहों में विभाजित किया। दोनों व्यायाम समूहों ने एक जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रम अपनाए, केवल व्यायाम क्रम में अंतर था। प्रतिभागियों ने वेव प्रेस, डेल्टालिफ्ट, बाइसेप कर्ल और स्वाटच जैसे व्यायाम किए। कार्डियो सत्र में 30 मिनट तक ‘साइकलिंग’ शामिल थी। दोनों समूहों के प्रतिभागियों ने अपनी हृदय संबंधी फिटनेस, मांसपेशियों की ताकत और शारीरिक बनावट में सुधार का अनुभव किया।

हे श्री कृष्ण! तुम सर्वज्ञ हो

एक युद्ध महिला एक सब्जी की दुकान पर जाती है, उसके पास सब्जी खरीदने के पैसे नहीं होते हैं। वो दुकानदार से प्रार्थना करती है कि उसे सब्जी उधार दे दे पर दुकानदार मना कर देता है। उसके बार-बार आग्रह करने पर दुकानदार खीज कर कहता है, तुम्हारे पास कुछ ऐसा है, जिसकी कोई कीमत हो, तो उसे इस तराजू पर रख दो, मैं उसके वजन के बराबर सब्जी तुम्हे दे दूंगा। वृद्ध महिला कुछ देर सोच में पड़ जाती है। क्योंकि उसके पास ऐसा कुछ भी नहीं था। कुछ देर सोचने के बाद वह, एक मुड़ा-बुड़ा कागज का टुकड़ा निकालती है और उस पर कुछ लिख कर तराजू पर रख देती है। दुकानदार ये देख कर हंसने लगता है। फिर भी वह थोड़ी सब्जी उठाकर तराजू पर रखता है। आश्चर्य...!!! कागज वाला पलड़ा नीचे रहता है और सब्जी वाला ऊपर उठ जाता है। इस तरह वो और सब्जी रखता जाता है पर कागज वाला पलड़ा नीचे नहीं होता। तंग आकर दुकानदार उस कागज को उठा कर पढ़ता है और हैरान रह जाता है। कागज पर लिखा था, हे श्री कृष्ण! तुम सर्वज्ञ हो, अब सब कुछ तुम्हारे हाथ में है। दुकानदार को अपनी आंखों पर यकीन नहीं हो रहा था। वो उतनी सब्जी वृद्ध महिला को देता है। पास खड़ा एक अन्य ग्राहक दुकानदार को समझाता है, कि दोस्त, आश्चर्य मत मत करो। केवल श्री कृष्ण ही जानते हैं की प्रार्थना का क्या मोल होता है। वास्तव में प्रार्थना में बहुत शक्ति होती है। चाहे वो एक घंटे की हो या एक मिनट की। यदि सच्चे मन से की जाये, तो ईश्वर अवश्य सहायता करते हैं।



महिलाओं की भागीदारी

भारत ने स्टीफ एक्सपोजे ने महिलाओं की बढ़ती भागीदारी वित्तीय सराविकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह बढ़ती भागीदारी न केवल आर्थिक समताका एक प्रतीक है, बल्कि देश की विकास यात्रा में महिलाओं की सकात और महत्वपूर्ण भूमिका को भी दर्शाती है।

-अन्नपूर्णा देवी, महिला विकास मंत्री

किसानों की समृद्धि

प्रदेश के किसानों और उद्योगों की समृद्धि हमारी शीर्ष प्राथमिकता है। वर्ष 2027 तक हर अन्नदाता को दिन में निवांध बिजली देने के संकल्प के साथ राजस्थान ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी बन रहा है। अब हमारा किसान ‘अन्नदाता’ के साथ ‘ऊर्जादाता’ बनकर विकास को नई रोशनी दे रहा है।

-भजनलाल, सीएम, राजस्थान

पानी तक उपलब्ध नहीं

युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकटानों की अपूर्ति थोड़ी बाधित हुई है। लेकिन झारखंड ने पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस तो दूर की बात है, कोकस-झामुनी की सरकार जनता को पीने का पानी तक उपलब्ध नहीं करा पा रही है।

-बाबूलाल मराठी, पूर्व सीएम, झारखंड

सम्मान की उन्मीद

जब कूटनीति से लेकर व्यापार और धर्म तक हर चीज को हथियार बना लिया जाता है, तो युद्ध वे “कानूनी” या “नैतिकता” का सम्मान करने की उन्मीद करना एक कोरी कल्पना मात्र है।

-फैलाथ सत्यार्थी, नोबेल पुरस्कार विजेता

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 फोन: 9253681019-20 ई-मेल : haribhoomi@gmail.com वेब-साइट : www.haribhoomi.com

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दें सकते हैं।

साल 2025 में 41.41 लाख फर्जी राशन कार्ड खत्म किए : सरकार हरियाणा में मिले देश के सबसे ज्यादा 30% फर्जी राशन कार्ड

खाद्य राज्य मंत्री निमुबेन जयंतीभाई बंभानिया ने राज्यसभा में जानकारी
भाषा ॥ नई दिल्ली

सरकार ने मंगलवार को संसद को बताया कि वर्ष 2025 में 41.41 लाख अपात्र राशन कार्ड खत्म किए गए। राज्यसभा में खाद्य राज्य मंत्री निमुबेन जयंतीभाई बंभानिया ने बताया कि हरियाणा में सर्वाधिक लगभग 13.43 लाख राशन कार्ड (करीब 30 फीसदी), राजस्थान में 6.05 लाख, उत्तर प्रदेश में 5.97 लाख, पश्चिम बंगाल में 3.74 लाख और मध्य प्रदेश में 2.60 लाख अपात्र राशन कार्ड खत्म किए गए। बंभानिया ने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में प्रौद्योगिकी के

हरियाणा में लगभग 13.43 लाख अपात्र कार्ड मिले, राशन कार्ड और लाभार्थियों के आंकड़ों का पूरी तरह डिजिटलीकरण किया जा चुका



उपयोग के परिणामस्वरूप सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अपात्र राशन कार्डों को खत्म करने में सफलता हासिल की है। वर्ष 2025 में कुल 41.41 लाख फर्जी राशन कार्ड खत्म किए गए, 2024 में यह संख्या 48.85 लाख और 2023 में 41.99 लाख थी। पीडीएस में चल रहे सुधारों के तहत सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में राशन कार्ड और लाभार्थियों के आंकड़ों का पूरी

तरह डिजिटलीकरण किया जा चुका है। देश की लगभग सभी उचित मूल्य की दुकानों (एफपीएस) को खाद्यान्न वितरण के लिए इलेक्ट्रॉनिक "व्वाइंट ऑफ सेल" (ईपीओएस) उपकरणों की स्थापना से स्वचालित किया गया है। 99.2% लाभार्थियों को आधार से जोड़ा जा चुका है और 98.75 प्रतिशत खाद्यान्न वितरण आधार आधारित बायोमेट्रिक सहित डिजिटल प्रमाणीकरण से किया जा रहा है।

3 वर्षों में 5.18 लाख से अधिक खाद्य नमूनों की जांच

सरकार ने राज्यसभा को बताया कि 2022-23 से 2024-25 की अवधि के दौरान राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खाद्य सुरक्षा विभागों तथा एफएसएसएआई के क्षेत्रीय कार्यालयों ने 5.18 लाख से अधिक खाद्य नमूनों की जांच की। स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने बताया कि इस अवधि में 88,192 मामलों का निपटारा जुमले के साथ किया गया, जबकि 3,614 मामलों में दोषसिद्धि हुई और 1,161 लाइसेंस रद्द किए गए।

लोकसभा से 8 विपक्षी सांसदों का निलंबन हटा

लोकसभा में मंगलवार को पहले फेज के दौरान निलंबित किए गए 8 सांसदों पर लगा सस्पेंशन हटा दिया गया। इनमें कांग्रेस के 7 और लेफ्ट के एक सांसद हैं। ये आठ सांसद 4 फरवरी को लोकसभा से पूरे



बजट सत्र के लिए निलंबित किए गए थे। उन पर हंगामा करने के दौरान स्पीकर पीठासीन कुष्णा प्रसाद तेन्टेटी की कुर्सी की ओर कागज फेंकने का आरोप लगा था। यह हंगामा उस समय हुआ था जब राहुल गांधी सदन में पूर्वी लद्दाख में 2020 के भारत-चीन सीमा तनाव का जिक्र कर रहे थे। कांग्रेस सांसद के सुरेश समेत 3 सांसदों ने सस्पेंशन प्रस्ताव रखा। इसके बाद ध्वनि मत से इसे पास कर दिया गया। इससे पहले सपा सांसद धर्मेद यादव ने इसका समर्थन किया। धर्मेद यादव ने कहा कि सदन की मर्यादा में सत्ता पक्ष को भी मान रखना होगा।

टीएमसी बंगाल में 294 में से 291 सीट पर चुनाव लड़ेगी, दोनों दिग्गज भवानीपुर में मैदान

तय हो गया ममता और सुवेंदु का महा मुकाबला

■ भाजपा नेता ने नंदीग्राम में हराया था
■ बीजीपीएम तीन सीटों पर लड़ेगी
भाषा ॥ कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल विधानसभा की 294 सीट में से 291 सीट के लिए उम्मीदवारों की मंगलवार को घोषणा की। राज्य में लगातार चौथी बार सत्ता में आने का प्रयास कर रही पार्टी ने इस बार चर्चित हरितियों की जगह संगठन पर पकड़ रखने वाले नेताओं को तर्जिह दी है। भवानीपुर में ममता बनर्जी-शुभेंदु अधिकारी की प्रतिद्वंद्विता नया चुनावी रंग लेने जा रही है, जहां मुख्यमंत्री अपनी सीट की रक्षा करेंगी, जबकि भाजपा ने इस निर्वाचन क्षेत्र से नेता प्रतिपक्ष को मैदान में उतारा है। यह दो प्रतिद्वंद्वियों के बीच सीधा आमना-सामना होगा, जो पहली बार 2021 के विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम में भिड़े थे, जब अधिकारी ने ममता को नजदीकी अंतर से हराया था। कालीघाट स्थित अपने आवास से उम्मीदवारों की सूची की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि पार्टी दार्जिलिंग पहलियों की तीन सीटें सहयोगी भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा (बीजीपीएम) के लिए छोड़ेगी, जिसका नेतृत्व अनित थापा कर रहे हैं। बनर्जी ने 294 सदस्यीय विधानसभा में 226 सीट जीतने का विश्वास व्यक्त किया।



मवानीपुर पर होगी नजर
पिछले विधानसभा चुनाव में ममता को सीटों से चुनावी मैदान में उतारी थी। एक नंदीग्राम व दूसरी मवानीपुर विधानसभा। नंदीग्राम में ममता का सुवेंदु से मुकाबला था। यहां वो सुवेंदु से चुनाव हार गई थी। मवानीपुर से उन्होंने जीत हासिल की थी।
उत्तर बंगाल सीटों पर दांव
उत्तर बंगाल में कई प्रत्याशी घोषित किए हैं। मालतीपुर से अशुभ रहीम, इदिलिशबाजार से आशीष और सुजापुर से सबीना यारसीन को टिकट मिला है। जंगीपुर से जाकिर और मुश्किबाद से सार्वनी सिंह रॉय को टिकट दिया है।

असम में 12 के नाम घोषित: एआईयूडीएफ प्रमुख अजमल बिन्नाकांडी सीट से लड़ेंगे चुनाव

असम विधानसभा चुनाव 2026 के लिए ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट ने अपने उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल बिन्नाकांडी सीट से चुनाव लड़ेंगे। पार्टी की दूसरी लिस्ट में 12 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। पार्टी ने 12 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। इस लिस्ट में चार हिंदू उम्मीदवारों को भी चुनाव लड़ने का मौका मिला है।



रोजगार के मोर्चे पर चिंता बरकरार: अजीम प्रेमजी विवि की रिपोर्ट में दावा

ग्रेजुएशन के बाद 40% युवा बेरोजगार

- 20 से 29 वर्ष आयु वर्ग के 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ बेरोजगार
- स्नातकों की बढ़ती संख्या से समस्या और बढ़ गई
- केवल 7% को ही स्नातक होने के एक साल के भीतर स्थायी नौकरी मिल पाती

आईटीआई की संख्या 300% बढ़ी, गरीब परिवारों की भागीदारी में बढ़ोतरी



रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2010 के बाद औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) की संख्या में करीब 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, लेकिन इसके साथ गुणवत्ता को लेकर चिंताएं भी सामने आई हैं, खासकर निजी संस्थानों में शिक्षा की गुणवत्ता खिलती का कारण बनी हुई है। वहीं रिपोर्ट के अनुसार उच्च शिक्षा में गरीब परिवारों की भागीदारी बढ़ी है, जो 2007 के आठ प्रतिशत से बढ़कर 2017 में 15 प्रतिशत हो गई है। हालांकि रिपोर्ट ये भी कहती है कि अभी भी आर्थिक बाधाएं बनी हुई हैं। इंजीनियरिंग व मेडिकल जैसे महंगे पेशेवर पाठ्यक्रमों में अपेक्षाकृत संपन्न वर्ग के छात्र-छात्राओं की भागीदारी अधिक रहती है।

भाषा ॥ नई दिल्ली

देश में 20 से 29 वर्ष आयु वर्ग के 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ बेरोजगार हैं और स्नातक होने के एक वर्ष के भीतर बहुत कम लोगों को ही निश्चित वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। अजीम प्रेमजी विवि की रिपोर्ट 'भारत में कामकाज की स्थिति-2026' में पाया गया कि बेरोजगार के रूप में पंजीकरण कराने के एक वर्ष के भीतर केवल करीब सात प्रतिशत स्नातकों को

स्थायी वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। रिपोर्ट में कहा गया कि स्नातक बेरोजगारी दर उच्च बनी हुई है। 15 से 25 वर्ष आयु वर्ग में बेरोजगारी दर करीब 40 प्रतिशत और 25 से 29 वर्ष आयु वर्ग में 20 प्रतिशत है। इसमें कहा गया कि स्नातक होने के एक वर्ष के भीतर केवल एक छोटा हिस्सा ही स्थायी वेतन वाली नौकरी हासिल कर पाता है। हाल के वर्षों में स्नातकों की बढ़ती संख्या के कारण यह समस्या और बढ़ गई है।

बेहद कम युवाओं को मिल रहा स्थायी रोजगार

जेजुएशन पूरा होने के एक वर्ष के भीतर बहुत कम संख्या में ही युवाओं को स्थायी रोजगार मिल पाता है। जेजुएट्स युवाओं को आय के मामले में लाम मिलता है और उनकी शुरुआती कमाई नॉन जेजुएट्स के मुकाबले लगभग दोगुनी होती है। रिपोर्ट की मुख्य लेखिका एवं विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र की एसो प्रोफेसर रोजा अब्राहम ने कहा कि अध्ययन पिछले 40 वर्ष के आधिकारिक आंकड़ों पर आधारित है और शिक्षा से रोजगार तक युवाओं की यात्रा तथा उसमें आए बदलावों को दर्शाता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि स्वतंत्रता के बाद भारत ने शिक्षा से जुड़े कई अंतर को पाटने में उल्लेखनीय प्रगति की है। उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात भारत के विकास स्तर के अनुरूप है। शिक्षा तक पहुंच में लड़का-लड़की और जाति आधारित सामाजिक-आर्थिक बाधाएं कम हुई हैं (हालांकि अब भी काफी काम बाकी है)। हालांकि, इसके साथ रोजगार में प्रभावी बदलाव नहीं हुआ है। युवा स्नातकों के लिए बेरोजगारी दर लगातार ऊंची बनी हुई है।

डा. ऑर्थो गद्दे/मैट्रेस के मिलते-जुलते नामों से प्रोडक्ट बेचने वालों पर सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी

जागरूक रहें, आजकल सस्ती व्यापारिक प्रतिस्पर्धा के मद्देनजर कुछ दुकानदार डा. ऑर्थो गद्दे/मैट्रेस के मिलते-जुलते नामों से अन्य गद्दे बेच रहे हैं। इस संदर्भ में उन पर आवश्यक कानूनी कार्यवाही प्रारंभ की जा रही है। आज की इस पब्लिक नोटिस से यह स्पष्ट माना जाए कि प्रसिद्ध ब्रांड डा. ऑर्थो गद्दे/मैट्रेस को यदि कोई भी व्यक्ति, फर्म, संस्था अथवा कम्पनी किसी भी रूप में नकल करता या बेचता है, उन सभी पर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। सभी उपभोक्ता एवं दुकानदार कृपया यह ध्यान दें कि डा. ऑर्थो गद्दे/मैट्रेस रेंज के सभी प्रोडक्ट्स केवल डा. ऑर्थो गद्दे/मैट्रेस के नाम से ही आते हैं। इसलिए मिलते-जुलते नामों से धोखा न खाएं व पूरा नाम पढ़कर ही प्रोडक्ट खरीदें। यदि आपको कोई प्रोडक्ट डा. ऑर्थो गद्दे/मैट्रेस के मिलते जुलते नाम से बाजार में मिलता है तो इसकी सूचना तुरन्त हमारी Email: info@drorthool.com या Helpline No.: 8264822252 पर दें।

आपके द्वारा दी गई सूचना पर यदि कोई दुकानदार अथवा निर्माता पकड़ा जाता है तो आपको ₹ 1,00,000/- का नकद इनाम दिया जाएगा एवं आपका नाम गुप्त रखा जायेगा। जागरूक रहें- डा. ऑर्थो मैट्रेस का पक्का बिल अवश्य लें।

Dr. Ortho
ORTHOPAEDIC MATTRESS
सम्पर्क करें
8264822252
Email: info@drorthool.com • Website: www.drorthool.com

उत्तराखंड के बाद अब गुजरात में भी यूसीसी होगा लागू



अहमदाबाद (एजेंसी)। उत्तराखंड के बाद अब गुजरात में भी युनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू करने की तैयारी शुरू हो गई है। इस संबंध में राज्य सरकार की ओर से बनाई गई विशेषज्ञ समिति ने अपनी अंतिम रिपोर्ट मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को सौंप दी है। इससे पहले सरकार ने 4 फरवरी 2025 को एक 5 सदस्यीय समिति बनाई थी। समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज रंजन देसाई कर रही थीं।

नैनीताल: 24-36 घंटे तक बिजली रही गुल

नैनीताल (भाषा)। नैनीताल में रविवार को तूफान और भीषण ओलावृष्टि के दौरान जमीन से उखड़े पेड़ों और उनकी टूटी टहनियों की चपेट में आकर खिलजी की कई तारें नीचे आ गयीं जिससे शहर के एक बड़े हिस्से में 24 से 36 घंटे तक असम में तूफान के कारण एक की मौत, 8,000 से अधिक लोग प्रभावित खिलजी गुल रही। खिलजी गुल होने से निवासियों, पर्यटन पर निर्भर व्यवसायों और यहां तक कि अदालती कार्यवाही भी प्रभावित हुई। उधर, असम में आए तूफान के कारण सोमवार रात से कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक घायल हो गया। तूफान से करीब 8,000 लोग प्रभावित हुए हैं। अफसरों रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

अंडों पर लिखनी होगी एक्सपायरी डेट, नहीं तो होगी कड़ी कार्रवाई

लखनऊ (उप्र)। उत्तर प्रदेश सरकार ने एक अप्रैल से अंडों पर उसके उपयोग की आखिरी तारीख (एक्सपायरी) दर्ज करने का निर्णय लिया है और दवाओं के पत्तों की तरह अंडों पर भी यह प्रयोग होगा। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, एक अप्रैल से अंडा उत्पादकों के लिए एक्सपायरी डेट का उल्लेख करना अनिवार्य कर दिया गया है। मंगलवार को राज्य सरकार के पशुपालन विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसोएस) मुकेश मेश्राम ने बताया कि अंडा उत्पादकों को हर अंडे पर उत्पादन की तारीख और एक्सपायरी की तारीख की मुहर लगानी होगी। उन्होंने यह भी बताया कि लगभग 30 डिग्री सेल्सियस के सामान्य तापमान पर रखे गए अंडों का इस्तेमाल, अंडे दिए जाने की तारीख से दो सप्ताह के अंदर कर लेना चाहिए। और जब अंडों को दो डिग्री सेल्सियस से आठ डिग्री सेल्सियस के बीच के रेंजिजेशन तापमान पर रखा जाता है, तो उनका इस्तेमाल अंडे दिए जाने की तारीख से पांच सप्ताह के अंदर किया जा सकता है।



संजय दत्त-नोरा फातेही के गीत सरके चुनार के बोल को लेकर विवाद, गीतकार ने दी सफाई

नई दिल्ली (भाषा)। गीतकार रकीब आलम ने संजय दत्त अभिनीत फिल्म केडी द डेविलर के गीत सरके चुनार के अश्लील बोल को लेकर हुए विवाद से मंगलवार को दूरी बना ली और कहा कि इस गीत का कन्नड संस्करण से अनुवाद किया गया है और शुरुआत में उन्होंने इसे लिखने से इनकार कर दिया था। विवाद और आलोचनाओं के बाद गीत आधिकारिक यूट्यूब पेज से हटा दिया गया है। सोशल मीडिया पर यह अब भी साइलेंट किया जा रहा है। चार भाषाओं में डब की गई कन्नड फिल्म केडी द डेविलर 30 अप्रैल को प्रदर्शित होगी। आलम ने एचटी सिटी से कहा कि मैंने ये बोल नहीं लिखे। फिल्म के निदेशक प्रेम ने कन्नड में ये बोल लिखे थे। जब मुझे ये सब लिखने के लिए कहा गया तो मैंने यह कहते हुए इनकार कर दिया था कि ऐसे गीत चलते नहीं हैं और इसे सेंसर भी कर दिया जाएगा। विवाद के बाद आलम ने कहा कि फिल्म की टीम ने उनसे साफ-सुथरे बोल के साथ दोबारा गीत लिखने को कहा। आलम ने कहा कि वे यह जानते हुए माफ़ीनाने के साथ गीत रिलीज करने की योजना बना रहे थे कि बोल छिआई हैं।



NISSAN
MARCH AHEAD WITH NISSAN MAGNITE
5 YEARS OF FREE MAINTENANCE* 5.55% ATTRACTIVE RATE OF INTEREST*
SCAN TO KNOW MORE
5 STAR SAFETY* GLOBAL NCAP
MAGNITE NOW AVAILABLE WITH CNG
EXCHANGE BENEFITS UP TO ₹55,000* CORPORATE BENEFITS UP TO ₹5,000*
CUSTOMER SERVICE PROMISE
ALSO AVAILABLE IN CSD
10 years Warranty* Enjoy 3 years Standard + 7 years Extended Warranty
90 mins* Express Service
Lowest Cost of Ownership @40p/km
FOR ENQUIRIES GIVE A MISSED CALL 9833 800 700
AUTHORIZED NISSAN DEALERS: HARYANA: ROHTAK: BA NISSAN- 8291041277, AMBALA: VELOCITY NISSAN- 8291045360, FATEHABAD: RPJ NISSAN- 9619895181, GURUGRAM: SECTOR 14: VERTEX NISSAN- 8291044902, HISSAR: ELINA NISSAN- 8291045904, KUNDLI: SONIPAT: MALWA NISSAN- 9167998356, KURUKSHETRA: PEARL NISSAN- 8422831424, SIRSA: RPJ NISSAN- 8291041876, CHANDIGARH: SPEED NISSAN- 9619895206.
*Terms & conditions apply. The scheme/benefits mentioned are applicable on select vehicles/variants of MY2026 which will be invoiced on or before 31st March 2026 or till stocks last. All prices ex-showroom Delhi. Features may vary from variant to variant. Colours, models and variants are indicative and for depiction only and may vary due to printing constraints. Accessories shown may not be part of standard fitment. Please visit your nearest Nissan dealer for more information. Finance is subject to credit appraisal. Segment refers to B-SUV models with Length > 4.5m. Standard warranty 3 year or 100k km whichever comes first and can be extended to 10 years 200k on additional cost. Offer applicable on Nissan Magnite only and customer needs to provide certificate of deposit. Government approved CNG Kit fully developed, manufactured by a 3rd Party, CNG kit warranty & any other related terms & conditions are applicable as specified by third party. NCAP rating for Nissan Magnite published in 2025 - 5 Star for Adult Safety and 5 Star for Child Safety rating from VIN: MD0FBAD020037139. Detailed report available on website www.globalncap.org/indiaresults/TBWA10D0153 18WA090016